राजभवन सूचना परिसर, उत्तराखण्ड
प्रेस विज्ञप्ति

- **राज्यपाल ने ज्योतिष महाकुंभ का शुभारम्भ किया**

- **ज्योतिष की सभी विधाओं के व्यावहारिक ज्ञान हेतु उच्च कोटि की शिक्षण–प्रशिक्षण की व्यवस्था हो–राज्यपाल**

राजभवन देहरादून 01 मई, 2019

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने बुधवार को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में आयोजित चौथे ज्योतिष महाकुंभ का शुभारम्भ किया।

राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य ने कहा कि ज्योतिष आदिकाल से भारतीय जीवन शैली का एक अभिन्न अंग रहा है। योग और आयुर्वेद की भाँति ज्योतिष भी भारतीय संस्कृति को पूर्णता प्रदान करता है। ऐसा माना जाता है कि ज्योतिष मनुष्य के शुभ कर्मों का अधिक से अधिक अच्छा परिणाम प्राप्त हो इसमें सहायता करता है। ज्योतिष के ऐतिहासिक महत्व पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि वैदिक काल में, जब टेलीस्कोप और अन्य आधुनिक उपकरण नहीं थे तब, हमारे ऋषि–मुनियों ने ग्रहों की गति का सटीक आँकलन करने में सफलता प्राप्त की और उनका मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है इसका ज्ञान भी दिया। यही सब बातें थीं कि जिनके कारण हम विश्वगुरु कहलाए और वेद–वेदांग, उपनिषद् और दर्शन के क्षेत्र में अपनी प्रतिष्ठा विश्वभर में स्थापित कर सके। आज हमारे सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है कि हम अपनी उस प्रतिष्ठा को बनाए रख सकें और प्राचीन काल के ज्ञान को और भी अधिक समृद्ध कर सकें।

राज्यपाल ने कहा कि ज्योतिष की सभी विधाओं का व्यावहारिक ज्ञान देने हेतु उच्च कोटि की शिक्षण–प्रशिक्षण प्रणाली का विकास किया जाना समय की माँग है। ज्योतिष की प्रतिष्ठा में और अधिक वृद्धि हो, इसके लिए इससे जुड़े विद्वानों को भी अपने–अपने स्तर पर प्रयास करने होंगे।

अध्यात्म में उत्तराखण्ड राज्य के विशेष स्थान का उल्लेख करते हुए राज्यपाल श्रीमती मौर्य ने उपस्थित विद्वान्ों को धर्म, आध्यात्म, दर्शन और ज्योतिष का राजदूत बताया। उन्होंने अपेक्षा की कि वह उत्तराखण्ड की संस्कृति को समझ कर, यहाँ की विशेषताओं का प्रचार–प्रसार देश–विदेश में करेंगे। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थलों और पर्यटन स्थानों के कारण राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान से भी सम्बन्ध मजबूत होते हैं।

ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी में ज्योतिष का विभाग का आरम्भ होने पर बधाई देते हुए राज्यपाल ने कहा कि ज्योतिष को संरक्षित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर पंडित के0ए0 दुबे पदमेश, पंडित सतीश शर्मा, पंडित अजय भाम्बी, पंडित लेखराज शर्मा सहित देश के विभिन्न ज्योतिषाचार्य उपस्थित थे।

-------0------